५०२ / ७५

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था
सत्संग शिक्षण परीक्षा

सत्संग परिचय : प्रश्नपत्र - २

दोपहर २:०० से ४:१५] (रविवार, १५ जुलाई, २००१) **कुल अंक : ७५**

सूचना : प्रश्न की दाहिनी तरफ उसके अंक दर्शाये गये हैं।

(विभाग - २ किशोर सत्संग परिचय)

प्र. १. निम्नांकित में से कोई भी दो विधान किसने, किसे तथा कब कहा है, यह लिखिए । **६**

१. ''पुत्र भी धन्य और पिता भी धन्य ।''
२. ''ये तो मेरे मेहमान हैं, मैं उन्हें छोड़ने जा रहा हूँ ।''
३. ''मैं तो सोच रहा था कि धोने के कपड़ों की गठरी ले जा रहा हूँ ।''
४. ''आग लगा दे इसे ।''

प्र. २. निम्नांकित में से किसी एक पर टिप्पणी लिखिए । (१२ पंक्तियों में) **४**

१. लक्ष्मीचंद सेठ ।
२. सत्संगी ।
३. परमचैतन्यानन्द स्वामी । (किन्हीं दो प्रसंग)

प्र. ३. निम्नांकित में से किन्हीं दो के कारण देकर समजाइए । (आठ पंक्तियों में) **४**

१. बडी रामबाई ने सौहागरूपी चूडियों को तोड़ डाला ।
२. गलुजी अपना सारा सामान गाड़ी में रखकर वडथल पहुँच गये ।
३. सुन्दरजी बढई का गर्व गल गया ।
४. पर्वतभाई की बात सुनकर स्वरूपानंद स्वामी को शान्ति हो गई ।

प्र. ४. निम्नलिखित प्रश्नों के एक वाक्य में उत्तर दीजिए । **७**

१. किन छः प्रकार के मनुष्यों का संग नहीं करना चाहिये ?
२. श्रीजीमहाराज की कृपा से विष्णुदास को कैसी स्थिति प्राप्त हुई ?
३. श्रीजीमहाराज ने प्रथम मन्दिर कहाँ बनाया ?
४. श्रीजीमहाराज परमहंसों सहित किस के कारज में गये ?

५. 'रे श्याम तमे साचुं नाणुं..... ' - इस पद के रचयिता कौन है ?
६. शास्त्रीजी महाराज ने लींबडी के ठाकुर को क्या कहा ?
७. श्रीजीमहाराज ने शिक्षापत्री में धर्म की परिभाषा क्या की है ?

प्र. ५. निम्नांकित 'स्वामी की बात' पूर्ण कर के उसका निरूपण कीजिए
अथवा वचनामृत का निरूपण कीजिए । **५**

'अपने अन्दर खोजकर देखो, ... '

अथवा

वचनामृत गढ़डा प्रथम आठवें का निरूपण करें।

प्र. ६. निम्नांकित में से किन्हीं चार कीर्तन/श्लोक/अष्टक की पंक्तियाँ पूर्ण किजिए । **८**

१. प्रथम ते चिंतवन ..... मन भावी व्हाला ।
२. अन्यक्षेत्रे ..... भविष्यति ।
३. पाज धर्मनी ..... छोगाला रंग छेल ।
४. जेणे महापाप ..... केम रहे ज तेवुं ।
५. निजाश्रितानां ..... अखिलमंगलम् नः ॥

(विभाग - २ प्रागजी भक्त)

प्र. ७. निम्नांकित में से कोई भी दो विधान किसने, किस से और कब कहा, यह लिखिए । **६**

१. ''आपने उसकी सेवाओं का फल दिया है ।''
२. ''मैं विश्वास नहीं कर सकता जब तक स्वामी मेरे से न कहें ।''
३. ''तुम्हें अपना बाबुला शिष्यों से अधिक नहीं बंधना चाहिए ।''
४. ''इन साधुओं को डाटो, क्योंकि ये हंमेशा मुझे सताते रहते हैं ।''

प्र. ८. निम्नांकित से कोई एक को कारण सहित समजाइए । (बारह पंक्तियों में) **४**

१. प्रागजी भक्त ने रुपयों का वरदान स्वीकार नहीं किया ।
२. पवित्रानंद स्वामी ने भगतजी महाराज को विमुख करने की प्रतिज्ञा ली ।
३. भगतजी महाराज ने मृत कुत्ते को उठाया ।

प्र. ९. निम्नांकित में से किसी एक पर टिप्पणी लिखिए ।(१५ पंक्तियों में) **५**

१. सत्संग सुख । *२. शिष्य की योग्यता की परीक्षा ।*

३. अक्षरधाम की कुंजी प्रागजी के पास ।

प्र. १०. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए । **७**

१. प्रागजी भक्त नदी के रेतीले पाट में बैठकर मित्र बालकों से क्या कहते थे ?

२. गुणातीतानंद स्वामी ने ज्ञान-प्राप्ति के लिये कौन-सी शर्त प्रागजी भक्त को कही ?

३. भगतजी महाराज ने आम के कितने पेडों को कितने कलसे पानी डाला ?

४. वरताल में हरिकृष्ण महाराज ने गिरधरभाई को दर्शन देकर क्या कहा ?

५. बेचर भगत को दीक्षा देकर क्या नाम रखा गया ?

६. पहली बार प्रागजी भक्त को देखकर गुणातीतानंद स्वामी ने क्या कहा ?

७. भगतजी महाराज का जन्म कब हुआ ?

प्र. ११. निम्नांकित में से किसी एक विषय पर बारह पंक्तियों में टिप्पणी लिखिए । **४**

१. जूनागढ़ में अपूर्व सन्मान ।

२. अब मैं प्रागजी द्वारा प्रगट रहूँगा ।

३. वांसदा के दीवान के साथ सत्संग ।

(विभाग - ३ 'सत्संग प्रवेश' परीक्षा के पुस्तकों के आधार पर)

प्र. १२. निम्नांकित विषयों पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए । **१५**

१. लखु चारण को वरदान । **अथवा** *अपनी वाणी को स्वयं ही श्राप दिया।*

२. भगतजी महाराज का यज्ञपुरुषदासजी के प्रति पक्षपात ।

अथवा

ठाकरिया बिच्छू - शास्त्री यज्ञपुरुषदासजी ।

३. जोबनपगी का परिवर्तन । **अथवा** *दूबली भट्ट ।*